शनिवार

05 मार्च 2022

पृष्ठ 4

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

पृष्ठ 5

महिला पेसर झूलन की बायोपिक के लिए अनुष्का ने शुरु की कड़ी मेहनत

- देहरादून
- वर्ष 30
- अंक 40
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

जैसे उल्लू को सूर्य नहीं दिखाई देता वैसे ही दुष्ट को सौजन्य दिखाई नहीं देता।
— स्वामी भजनानंद

उत्तराखंड के 160 छात्र यूक्रेन से घर लौटे

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज यूक्रेन से वापस लौटे कुछ उत्तराखंड के छात्रों से दिल्ली स्थित उत्तराखंड सदन में मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के 207 छात्रों में से 160 छात्र वापस आ चुके हैं तथा चार अन्य छात्र रास्ते में हैं जो आज देर शाम तक दिल्ली पहुंच जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी द्वारा चलाए जा रहे अभियान गंगा की तारीफ करते हुए कहा कि हम सभी छात्रों की सकुशल वापसी के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि राज्य के कुल 287 छात्र-छात्राओं के यूक्रेन में होने की जानकारी मिली थी जिनमें से आज शाम तक 164 छात्र वापस पहुंच जाएंगे साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ छात्र जिनकी संख्या 23 के आस पास है यूक्रेन के सीमावर्ती देशों में पहुंच चुके हैं। जो जल्द वापस आ जाएंगे। वही 50 से अधिक ऐसे छात्र बताए जा रहे हैं जो

●50 से अधिक अभी भी यूक्रेन में फंसे हैं
●50 से अधिक यूक्रेन के सीमावर्ती देशों में पहुंचे
●सीएम धामी ने वापस लौटे छात्रों से की बात

अभी यूक्रेन के युद्ध ग्रस्त क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। जिनसे संपर्क कर उनकी सकुशल वापसी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएम धामी ने बताया कि उनके द्वारा मुंबई व दिल्ली में हवाई अड्डों पर अपने अधिकारी तैनात किए गए हैं जो वापस आने वाले सभी छात्रों से समन्वय में बनाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी छात्रों को उनके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है जिसका खर्च सरकार वहन करेगी। राज्य के अभी 100 के आस पास छात्र ऐसे हैं जिनकी वापसी होनी है इनमें से कितने यूक्रेन की सीमा से बाहर निकल चुके हैं और कितने अभी यूक्रेन में फंसे हैं इसका कोई सटीक आंकड़ा या संख्या नहीं है। इस बीच आज रूस द्वारा दो शहरों में सीजफायर की घोषणा कर ग्रीन कॉरिडोर भी बनाया गया है जिससे इन क्षेत्रों में फंसे विदेशी नागरिकों को बाहर जाने का मौका मिल सके। जिन दो शहरों में सीजफायर किया गया है। यह दोनों शहर रूस के सीमावर्ती शहर है। जबकि जिन शहरों में सबसे अधिक भारतीय फंसे हैं उनमें खारकीव और सुमी शहर है जहां भीषण युद्ध चल रहा है। जानकारी के अनुसार खारकीव में एक हजार तथा सुमी में 700 बच्चों के फंसे होने की बात कही जा रही है। जहां हालात इतने खराब हैं कि इन छात्रों को खाना व पानी भी नहीं मिल पा रहा है और भीषण गोलाबारी के कारण इनकी जान का संकट बना हुआ है।

जब बन रही है सरकार तो फिर काहे का डर?

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के बड़े नेताओं द्वारा राज्य में अपनी सरकार बनने के दावे किए जा रहे हैं लेकिन इससे इतर सच्चाई यह है कि दोनों ही दलों के नेता इस बात से डरे हुए हैं कि कहीं वह 36 के आंकड़े से पीछे तो नहीं रह जाएंगे और अगर ऐसा हुआ तो फिर क्या होगा?

मुख्यमंत्री धामी जो चार दिनों से दिल्ली में जमे हुए हैं उन्होंने आज भी पत्रकारों से बात करते हुए वही बात दोहराई जिसे वह मतदान के बाद से हर रोज लगातार एक-दो बार कहते हैं। हमारी सरकार बन रही है, हम फिर सत्ता में आ रहे हैं। चार दिन पूर्व जब वह दिल्ली गए थे तो कहा जा रहा था कि कल वापस लौट आएंगे, लेकिन जेपी नड्डा से मिलने के लिए काशी तक दौड़ लगानी पड़ी और वह अभी दिल्ली में ही जमे हुए हैं। अभी चंद दिन पूर्व डॉ निशंक को जेपी नड्डा ने दिल्ली बुलाया था। खबर आई थी संभावित चुनाव परिणामों पर चर्चा हुई, लेकिन चर्चा यह भी है कि अगर निर्दलीयों के सहयोग से सरकार बनानी पड़ी तो इस पर चर्चा की गई।

❑36 का आंकड़ा डरा रहा है सभी को
❑सीएम उम्मीदवारों की नींद हराम

भाजपा ही नहीं बल्कि कांग्रेसी नेताओं में भी इस बात को लेकर चर्चाएं आम हैं कि यह हो सकता है कि कांग्रेस कुछ सीटों में पिछड़ जाए और उसे बहुमत के लिए बसपा या निर्दलीय विधायकों का सहयोग लेना पड़े। कांग्रेसी नेता अपने विधायकों को एकजुट रखने और समर्थन के मुद्दे पर खासे सतर्क नजर आ रहे हैं। बहुमत से कम सीटें मिलने के मुद्दे पर वह नेता खासतौर से ज्यादा परेशान दिख रहे हैं जो सीएम की दौड़ में हैं। वह चाहे धामी हो या फिर हरीश रावत। इसे लेकर दोनों ही दलों के नेता खासे बेचैन हैं भले ही उनके द्वारा अपनी-अपनी जीत के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हो। खास बात यह है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों के ही नेता यह जानते हैं कि इस बार टक्कर कांटे की है और चुनाव परिणाम एक तरफा नहीं रहने वाले हैं। 36 का यह आंकड़ा सभी को डरा रहा है।

मैं कीव में हूं कहीं भागा नहीं: वोलोदिमीर जेलेंस्की

कीव। रूस और यूक्रेन युद्ध का आज दसवां दिन है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि मैं कीव में हूं। मैं यहां काम कर रहा हूं। कोई भागा नहीं है। बता दें कि इससे पहले रूसी मीडिया में ऐसा कहा जा रहा था कि जेलेंस्की यूक्रेन छोड़कर पोलैंड चले गए हैं। जिस पर जेलेंस्की ने वीडियो जारी इन खबरों का खंडन किया। वही शुक्रवार को भी जेलेंस्की ने अपना एक वीडियो जारी किया और नाटो पर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने कहा, नाटो ने यूक्रेन ऊपर उड़ानों को बंद करने का फैसला नहीं लिया। अब रूस और हवाई हमले करेगा और लोगों की जान जाएगी। नाटो ने शुक्रवार को राष्ट्रपति जेलेंस्की की यूक्रेन में नो-फ्लाई जोन लागू करने की दलील को खारिज कर दिया। नाटो ने तर्क भी दिया है। नाटो के हेड जेन्स स्टोलटेनबर्ग का कहना है, सैन्य गठबंध के बीच यूक्रेन में नो फ्लाई जोन को लागू नहीं कराया जाएगा। अगर नाटो ऐसा करता है तो परमाणु हथियारों से लैस रूस का रुख बदल सकता है और यूरोपीय देशों के साथ एक नई जंग शुरू हो सकती है। इसका असर कई देशों पर पड़ेगा और यह ऐतिहासिक मानवीय त्रासदी में तब्दील हो सकती है।

देश में पिछले 24 घंटों में सामने आए 5,921 नए कोविड-19 केस, 289 लोगों की मौत

नई दिल्ली। भारत में पिछले २४ घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के ५,९२१ नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद देश में ४,२९,५७,४७७ कोविड-१९ के कुल मामले हो गए हैं।

वहीं, इस दौरान ११,६५१ लोगों की इससे रिकवरी हुई। ऐसे में कुल रिकवरी का आंकड़ा ४,२३,७८,७२१ हो गया है। यही नहीं, पिछले २४ घंटों में २८९ लोगों की कोरोना से मौत हुई। इसके बाद मरने वालों की कुल संख्या ५ लाख १४ हजार ८७८ हो गई है।

देश में अभी भी ६३,८७८ सक्रिय मामले मौजूद हैं, जबकि इस दौरान डेली पॉजिटिविटी रेट ०.६३ फीसदी

रहा। बता दें कि शुक्रवार के मुकाबले आज कोविड-१९ के नए मामलों में ४७५ की कमी दर्ज की गई है। कल भारत में कोविड-१९ के ६,३९६ नए मामले सामने आए थे। यही नहीं, कल कुल मामलों की संख्या ४,२९,५१,५५६ हो गई थी। इस दौरान १३,४५० लोग कोविड-१९ से रिकवर हुए थे, जिसके बाद कुल रिकवरी का आंकड़ा ४,२३,६७,०७० हो गया था।

शुक्रवार को २०१ लोगों की कोरोना से मौत हुई थी। फिलहाल, आज मरने वालों की संख्या में मामूली बढ़ोतरी देखी गई। वहीं, कल मरने वालों की संख्या ५ लाख १४ हजार ५८६ थी। इसके अलावा शुक्रवार को डेली पॉजिटिविटी रेट ०.६६ फीसदी दर्ज किया गया था, जोकि शनिवार के मुकाबले थोड़ा सा ज्यादा है। बताते चलें कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में गिरावट दर्ज की जा रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

छात्रों की वापसी पर भी राजनीति

यह राजनीति का कौन सा और कैसा रूप है? जहां हर मुद्दा राजनीतिक मुद्दा बना दिया जाता है। पक्ष-विपक्ष के बीच किन मुद्दों पर राजनीति की जानी चाहिए और किन मुद्दों पर नहीं इसके लिए भले ही कोई सीमा रेखा तय न सही लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय सुरक्षा और सहायता जैसे मुद्दों पर भी क्या राजनीति होनी चाहिए? यह सवाल आज इसलिए उठाए जा रहे हैं क्योंकि देश के नेताओं ने अपने राजनीतिक हितों के लिए सारी सीमाएं तोड़ दी है। इन दिनों यूक्रेन में फंसे छात्रों की वापसी पर जिस तरह की राजनीति की जा रही है उस पर यूक्रेन में फंसे एक छात्र ने वीडियो मैसेज में देश के नेताओं से इस मुद्दे पर राजनीति न करने और छात्रों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास करने की अपील की गई है। अभी कुछ कांग्रेसी नेताओं द्वारा भाजपा और केंद्र सरकार पर आरोप लगाए गए थे कि उनकी लापरवाही के कारण ही अब यूक्रेन में फंसे छात्रों की जान पर संकट बना है। अगर सरकार ने समय रहते सही कदम उठाए होते तो यह स्थिति नहीं पैदा होती। कुछ अन्य नेताओं ने पीएम और अन्य मंत्रियों के लिए उत्तर प्रदेश की चुनावी रैलियों को अधिक महत्वपूर्ण बताते हुए कहा गया है कि उनके लिए छात्रों की जान की सुरक्षा की कोई परवाह नहीं है। उन्हें तो बस उत्तर प्रदेश में चुनावी जीत की चिंता है। विपक्ष के इस प्रहार पर भला भाजपा नेता भी कैसे चुप रह सकते हैं खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल यूक्रेन से लौटे छात्रों से मुलाकात में यह कहकर कि अगर पूर्ववर्ती सरकारों ने मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में कुछ काम किया होता तो उन्हें मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए यूक्रेन नहीं जाना पड़ता। उनका कहना था कि वह देश में अब सस्ती मेडिकल शिक्षा मिल सके इस पर काम करेंगे? सवाल यह है कि बीते 7 सालों से देश में उनकी सरकार है उन्होंने अब तक ऐसा क्यों नहीं किया। इन दिनों 4 केंद्रीय मंत्री यूक्रेन के पड़ोसी देशों में छात्रों की वापसी पर काम कर रहे हैं वही दिल्ली, मुंबई आने वाली उन फ्लाइटों जिनसे यह छात्र आ रहे हैं उन्हें रिसीव करने में भी सरकार के मंत्री लगे हैं। जो इन छात्रों से वंदे मातरम के नारे लगवा रहे हैं। यहां तक तो ठीक है लेकिन एक मंत्री तो इन छात्रों से नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे भी लगवा रहे हैं। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि छात्र वंदे मातरम के नारे तो लगाते हैं लेकिन जब मंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाते हैं तो वह खामोश दिखते हैं। यह कैसी राजनीति है? प्रचार का कौन सा तरीका है। अभी बीते दिनों पाक के खिलाफ की गई एयर स्ट्राइक पर विपक्ष ने सवाल खड़े किए और भाजपा ने इसे चुनावी जनसभाओं में मुद्दा बनाया। कश्मीर से धारा 370 को हटाए जाने जैसे मुद्दों पर देश के नेताओं और दलों में सर्वसम्मति नहीं देखी गई। हर मुद्दे पर राजनीति और सिर्फ राजनीति, मुद्दा चाहे राष्ट्रीय सुरक्षा का हो या मानवीय सुरक्षा का। क्या अब राजनीति का स्तर इतना गिर चुका है कि नेताओं के लिए चुनावी जीत ही राजनीति का पर्याय बन चुकी है? निश्चित ही यह अत्यंत चिंतनीय है। अपने प्रचार से ज्यादा अभी उन हजारों बच्चों की वापसी ज्यादा जरूरी है जो यूक्रेन में युद्ध की विभीषिका में फंसे हैं।

काशी के मशहूर 'पप्पू चायवाला' की दुकान पर चाय पीने पहुंचे पीएम मोदी

वाराणसी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चाय का कनेक्शन बहुत पुराना है। जिसका ताजा उदाहरण शुक्रवार की शाम वाराणसी में देखने को मिला, जब पीएम नरेंद्र मोदी काशी के मशहूर पप्पू चायवाला की दुकान पर चाय पीने पहुंच गए। वाराणसी के अस्सी क्रॉसिंग पर प्रसिद्ध चाय की दुकान पप्पू चायवाला शुक्रवार शाम उस समय हैरान रह गया, जब अचानक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसकी दुकान पर चाय पीने आ गए। पीएम मोदी वाराणसी से सांसद हैं और वह शुक्रवार को बनारस ने यूपी विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार कपने गए थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र काशी विश्वनाथ धाम में पूजा–अर्चना करने के बाद बेड़ा गोदोलिया, मदनपुरा, सोनारपुरा और शिवाला होते हुए बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के लंका गेट की ओर जा रहे थे। अस्सी इलाके में पहुंचने पर पीएम मोदी अपने वाहन से बाहर निकले और चाय की दुकान पप्पू चायवाला के पास गए। दुकान पर पहले से ही केंद्रीय मंत्री और यूपी चुनाव के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान उनका इतंजार कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चाय की दुकान पर देख चायवाला हैरान रह गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पप्पू चायवाला की दुकान पर एक आम नागरिक की तरह चाय पी। आम इंसान की तरह बैठकर पीएम मोदी ने एक नहीं बल्कि तीन–तीन बार कुल्हड़ वाली चाय पी। पीएम मोदी की ओर से चाय के पैसे केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दुकानदार को दिए। चाय का आनंद लेने के बाद पीएम मोदी वहां कुछ मिनट बिताते हैं और चाय की दुकान पर आए लोगों से बात करते हैं। उसके बाद पीएम मोदी बीएचयू गेट की ओर निकल जाते हैं।

पप्पू चायवाला दुकान की दूसरी पीढ़ी बुजुर्ग विश्वनाथ सिंह उर्फ शप्पूश अस्वस्थता की वजह से दुकान पर मौजूद नहीं थे। लेकिन मीडिया के साथ बातचीत में उन्होंने कहा है कि पीएम मोदी का इंतजाप २०१६ से किया जा रहा था। पीएम मोदी का अपनी दुकान पर आने की खुशी व्यक्त करने के लिए विश्वनाथ सिंह उर्फ पप्पू के पास शब्दों की कमी हो गई। उन्होंने कहा, अभी मेरी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शब्द खोजना मुश्किल है। दुकान पर मौजूद पप्पू के बेटे के मुताबिक चाय के बदले पीएम मोदी से ढेर सारा आशीर्वाद मिला।

बीजेपी ने अपने अधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पीएम मोदी का चाय पीते हुए वीडियो भी शेयर किया है। बीजेपी ने वीडियो शेयर कर लिखा है, काशी के लाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की काशीवासियों के साथ चाय पर चर्चा। वीडियो में दिख रहा है पीएम मोदी जब दुकान पर खड़े होकर चाय पी रहे हैं तो दुकान के आगे सैकड़ों लोग खड़े होकर जिंदाबाद और जय श्रीराम के नारे लगा रहे हैं। पीएम मोदी ने भी जनता का अभिवादन स्वीकार कर उनकी तरफ हाथ हिलाया।

15 दिन में सड़क साफ नहीं हुई तो किया जायेगा प्रदर्शनः मर्तोलिया

विशेष संवाददाता

पिथौरागढ़। धारचूला ब्लॉक के तवाघाट- लिपुलेख मोटर मार्ग के वर्ती घाट के निकट दूलगैर नामक स्थान पर 9 माह से सड़क में गिरा मलवा अभी तक नहीं हटाया गया है। इस स्थान पर आने-जाने वाले वाहनों तथा राहगीरों के लिए अपने जीवन बचाने का संकट बना हुआ है। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज सीमा सड़क संगठन की चीफ इंजीनियर टनकपुर तथा जिलाधिकारी को पत्र भेजकर मलवा साफ कराने की मांग की है।

चीन सीमा को जोड़ने वाले तवाघाट लिपुलेख मोटर मार्ग में वर्ती घाट के निकट बरसात के समय आया मलवा आज 9 माह बीत जाने के बाद भी साफ नहीं किया गया है। इस जगह पर ऊपर से पहाड़ी टूट कर भारी मात्रा में मलवा तथा पत्थर जमा हुआ है। इस कारण मोटर मार्ग मात्र 4 फीट भी बचा हुआ नहीं है। नीचे काली नदी बह रही है। ऊपर से मलवा व पत्थर गिरने का भय सता रहा है। वाहनों को आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कभी भी इस स्थान पर ऊपर से मलवा तथा पत्थर गिर सकता है। जिससे किसी भी प्रकार की अनहोनी घटना घट सकती है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने सीमा सड़क संगठन तथा स्थानीय प्रशासन को इस संदर्भ में दर्जनों पत्र दे दिए है, लेकिन कोई भी इसकी सुध नहीं ले रहा है। हल्की सी बरसात में ऊपर से पत्थर का मलवा नीचे आ रहा है। जिसे साफ करके मात्र वाहनों का आवागमन सुचारू किया जा रहा है। इस स्थान पर पहाड़ी से आए मलबे को साफ कर चौड़ा करने की आवश्यकता है। ताकि आवागमन सुचारू तथा सुरक्षित किया जा सके।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज चीफ इंजीनियर तथा जिलाधिकारी को पत्र भेजकर इस सड़क का संज्ञान लिए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि 15 दिन के भीतर इस मार्ग पर आया मलवा साफ नहीं किया जाता है, तो सीमा सड़क संगठन के मुख्यालय पर क्षेत्रवासियों को साथ में लेकर धरना एवं प्रदर्शन किया जाएगा।

हरिद्वार-ऋषिकेश हाईवे पर दुकानों में लगी आग, लाखों की सम्पत्ति स्वाह

हमारे संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार-ऋषिकेश हाईवे पर देर रात कृषि उत्पादन मंडी समिति के बाहर पान भंडार सहित फलों की दुकानों में आग लगने से लाखों की सम्पत्ति स्वाह हो गयी। सूचना मिलने पर फायर सर्विस व पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। मामले की जानकारी मिलते ही आज सुबह विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने मौके पर पहुंचकर अग्निकांड का जायजा लिया, इस दौरान उन्होने अग्निकांड में प्रभावित दुकानदारों से वार्ता की एवं उन्हें हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया।

❑विधानसभा अध्यक्ष ने दिया मदद का दिया आश्वासन

जानकारी के अनुसार कल देर रात लगभग डेढ़ बजे कोयल ग्रांट तिराहे के समीप कृषि उत्पादन मंडी समिति के बाहर एक फल की दुकान में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते दुकानों से आग की बड़ी-बड़ी लपटें उठने लगी। बताया जा रहा है कि कुछ ही देर में आग ने अन्य 6 दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर दुकान मालिक भी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। इस बीच अग्निशमन विभाग को भी सूचित कर दिया गया। कुछ ही देर में अग्निशमन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद उन्होने आग पर काबू पाया। इस दौरान दुकानों में रखा लाखों का सामान खाक हो गया।सूचना मिलते ही आज सुबह विधानसभा अध्यक्ष ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया एवं जिन दुकानदारों की दुकान के जली उनसे कहा कि नुकसान का पूर्ण रूप से जायजा लेकर हर संभव मदद प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर नगर निगम पार्षद शिव कुमार गौतम, विनोद जयसवाल, गिरीश छावड़ा, दिनेश सती, सुरेंद्र मद्धेशिया, महेंद्र, शुभम शर्मा, अनिरुद्ध शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

प्रत्यस्मै पिपीषते विश्वानि विदुषे भर।
'अरंगमाय जग्मयेऽपश्चाद्घ्वने नरे।।

(ऋग्वेद ६–४२–१)

हे राजन् ! आपको उन विद्वानों को सर्वदा सभी सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए जो लोकहित में, देश हित में कार्य कर रहे है। वे सच्चे नायक हैं, जो कभी अपने सामाजिक कर्तव्य से पीछे कदम नहीं रखते।

O Ruler ! You should provide all kinds of facilities to the sages who are working for the welfare of the country. They are the true leaders and they never look back from social duties. (Rig Veda 6-42-1)

बिजली चोरी में 13 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। बिजली चोरी करने के मामले में पुलिस ने 13 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अवर अभियन्ता प्रभारी उपखण्ड त्यूनी राजकिशोर ने त्यूनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको शिकायत मिल रही थी कि क्षेत्र में कुछ लोग बिजली की चोरी कर रहे हैं जिसके बाद वह ग्राम डेरसा पोस्ट मुदोल में पहुंचा तो वहां पर दयाराम पुत्र भागचन्द, भूप सिंह पुत्र विजय राम, ओगर सिंह पुत्र सोबू, मंगतराम पुत्र गांगु, घरत सिंह पुत्र मनी, सतपाल पुत्र चैतराम, भोपाल सिंह पुत्र गुलाब सिंह, कानचंद पुत्र केदार सिह, सुनीता पत्नी जोगराम, राजेश पुत्र जवाहर सिंह, पृथ्वी सिंह पुत्र रंणसिंह, सैन सिंह राणा पुत्र सहीश सिंह व कुवंर सिह पुत्र फकीर चंद द्वारा बिजली के खम्बे में कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए पाया गया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दुकानों के बाहर बाक्स रखने का व्यापारियों ने किया विरोध

संवाददाता

देहरादून। दुकानों के बाहर बिजली के बाक्स रखे जाने का व्यापारियों ने रोष व्यक्त करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

आज सुबह जब व्यापारी बाजार में आए और उन्होंने दुकानें खुली तो देखा उनकी दुकानों के सामने के 6 फीट ऊंचे और लगभग 4 फीट चौड़े लगभग 20 बाक्स जो कि स्मार्ट सिटी के तहत ऊर्जा निगम की ओर से बाहर रखे हुए हैं जिस पर सभी व्यापारी आक्रोशित हो गए और नारेबाजी करने लगे और व्यापारियों ने आक्रोश में आकर सुबह बाक्स को उठाकर सड़क के बीचो बीच रखकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान ब्राहमणवाला चौक के पास एक वाहन को रूकने का इशारा किया तो वाहन चालक वाहन को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 15 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम मनोज कुमार उर्फ मन्नू पुत्र श्याम सुन्दर निवासी केदारपुर मोथरोवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य की फर्जी आईडी बनायी

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत की फर्जी ईमेल आईडी बनाकर उनके कार्यक्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को फर्जी मेल भेजी जा रही ही है। जिसकी सूचना मिलते ही प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत ने कोतवाली श्रीनगर के साइबर सैल को पत्र लेकर उचित कार्यवाही की मांग की है। कहा कि फर्जी आईडी बनाकर उनके नाम से गलत मेल लोगों को भेजे जा रहे है। जिस पर प्राचार्य ने फर्जी तरीके से जिस किसी को भी मेल आये तो कोई भी प्रतिक्रिया ना दिये जाने की अपील की है। प्राचार्य ने पुलिस को सूचना देने के साथ ही मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों, कर्मचारियों एवं अन्य प्रभारियों को भी सूचित करते हुए कहा कि यदि उनके नाम से कोई फर्जी आईडी से कोई मेल आये तो उसका संज्ञान ना लिया जाए। यदि कोई फर्जी तरीके से कोई मेल आती है तो उसकी सूचना मेडिकल कॉलेज प्रशासन को सूचना दे। इधर कोतवाल हरिओम राज चौहान ने बताया कि उक्त मामले में साइबर सैल जांच पड़ताल करेगा।

खादर क्षेत्र में वन्यजीवों के गलियारे को किया बंद

ऋषिकेश (आरएनएस)। ग्राम सभा खदरी खड़क माफ के वन्यजीव प्रभावित खादर क्षेत्र में किसानों को अब रातभर फसल सुरक्षा के लिए पहरा नहीं देना पड़ेगा। यहां वन विभाग ने वन्यजीवों द्वारा बनाये गए गलियारों को जेसीबी से बंद करा दिया है। जल्द ही क्षेत्र में कैंपा योजना से सुरक्षा दीवार का निर्माण किया जाएगा। शुक्रवार को ग्राम सभा खदरी खड़क माफ के वन्यजीव प्रभावित खादर क्षेत्र में वन विभाग ने वन्यजीवों द्वारा बनाये गए गलियारों को जेसीबी के जरिए बंद करवाया। जिला गंगा सुरक्षा समिति के नामित सदस्य पर्यावरणविद् विनोद जुगलान के आग्रह पर वन क्षेत्राधिकारी ऋषिकेश ने फौरी तौर पर वन्यजीवों द्वारा बनाये गए गलियारों को जेसीबी लगाकर बंद कराया। यह सुरक्षा के अस्थाई उपाय के तौर पर किया गया एक प्रयोग है। जबकि, फसल सुरक्षा के लिए कैंपा योजना के अंतर्गत शीघ्र ही सुरक्षा दीवार का निर्माण किया जाएगा। विनोद जुगलान ने कहा कि खादर के किसानों की समस्याओं को बीते दिसंबर में समिति की बैठक में जिलाधिकारी देहरादून के समक्ष प्रमुखता से उठाया गया था। इसको लेकर यह कार्रवाई हुई है। खदरी के खादर क्षेत्र में २२ बीघा तोक की सीमा पर खाई से मलबा निकाल कर वन्यजीवों द्वारा बनाये गए गलियारों को बाधित किया गया है। इस मौके पर वन दरोगा स्वयम्बर दत्त कंडवाल, वनबीट अधिकारी राजेश बहुगुणा, वनकर्मी मनोज कुमार, स्थानीय कृषक धर्म पाल, भारत भूषण नौटियाल आदि मौजूद रहे।

नाबालिगों की परवरिश का जिम्मा कौन लेगा ?

संवाददाता

देहरादून। आये दिन नाबालिगों से काम कराने वाले दुकानदारों पर मुकदमें दर्ज होते रहते हैं। लेकिन उन नाबालिगों की परवरिश का जिम्मा कौन लेगा इसके बारे में कोई बताने को तैयार नहीं है?

उल्लेखनीय है कि समाज के कुछ ठेकेदार आये दिन नाबालिगों के काम करने पर ऊंगली उठाते दिखायी देते हैं। अब देखने वाली बात है कि सैकडों की संख्या में नाबालिग बच्चे अपने परिवार को पाल रहे हैं। चाहे वह कूड़ा बीनने या फिर गुब्बारे बेचते गली मौहल्लों में दिखायी दे जाते है। यह वह बच्चे होते हैं जोकि समय से पहले ही समझदार हो जाते है। वह उनकी मजबूरी ही होती है कि छोटी उम्र में ही उनको काम पर जाना पडता है। कुछ बच्चे तो ऐसे भी दिखायी देते हैं जो काम के साथ अपनी पढाई भी जारी रखे होते हैं लेकिन ऐसे बच्चों की संख्या बहुत कम होती है। क्योंकि परिवार का पेट पालने के चक्कर में वह बच्चे अपने आपको भूल सा जाते है और उनकी दिनचर्या काम से घर व घर से काम तक ही सीमित रह जाती है। यह बच्चे वह होते हैं जिनको मेहनत करना कबूल होता है किसी के आगे हाथ फैलाना नहीं।

मजबूर व बेसहारा नाबालिग काम नहीं करेगा तो क्या करेगा। सरकार के द्वारा तो कोई ऐसी योजना नहीं है कि नाबालिग काम नहीं करेगा और सरकार उसकी सहायता करेगी। सरकारी तंत्र बस इतना ही कर सकता है कि उनको बाल सुधार गृह में डाल दे लेकिन वहां भी उनके साथ कुछ अच्छा नहीं होता होगा तभी वह वहां से भी भागने को मजबूर हो जाते हैं। अब यह मजबूर नाबालिग जायें तो कहां जायें। काम करते हैं तो समाज के ठेकेदार उनको काम भी नहीं करने देते और दुकान मालिक के खिलाफ मुकदमा ओर दर्ज करा दिया जाता है। जिससे वह उसको काम से निकाल देता है। तो अब वह करे तो क्या करे? उसके सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो जाता है। अगर मजबूर नाबालिग काम नही करेगा तो क्या करेगा इसका जवाब किसी के पास नहीं है। उसको सही दिशा देने के लिए किसी के पास कोई योजना है कि उसको सही दिशा कैसे दी जायेगी। इसके बारे में किसी को कुछ नहीं पता उन्हें तो बस विरोध करना ही आता है। इन मजबूर नाबालिगों को काम भी ना करना पडे और उनको समाज में नयी दिशा दी जाये ऐसी योजना बनाने के बाद ही इनके काम करने का विरोध करना चाहिए? नहीं तो यह मजबूर काम ना मिलने के बाद अपने परिवार को चलाने के लिए गलत रास्ता अपनाने को मजबूर ना हों इसपर मंथन करना होगा। नहीं तो इनको इनके हाल पर छोड दिया जाना चाहिए।

यात्रा के लिए किया जाए घोड़े-खच्चर मालिक और हॉकरों का पंजीकरण

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। आगामी केदारनाथ यात्रा को लेकर जिलाधिकारी मनुज गोयल ने केदारनाथ यात्रा मार्ग में संचालित होने वाले घोड़े–खच्चर मालिकों, हॉकरों व श्रमिकों का पंजीकरण करने के निर्देश दिए है। पंजीकरण के साथ ही लाईसेंस निर्गत करने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं।

जिला पंचायत के संबंधित निरीक्षकों को इस मामले में कार्रवाई करने को कहा गया गया है। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत राजेश कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर केदारनाथ धाम यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व यात्रा मार्ग पर चलने वाले घोड़े–खच्चरों के पंजीकरण कर उन्हें लाईसेंस निर्गत करने के निर्देश दिए है। साथ ही इसका रोस्टरवार शिविरों का आयोजन करने के लिए संबंधित निरीक्षकों को निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि वह घोड़े–खच्चर मालिकों, हॉकरों, डंडी–कंडी श्रमिकों के पंजीकरण व लाईसेंस निर्गत करने से पूर्व आवेदन के साथ आधार कार्ड, फोटो पहचान पत्र आदि आवश्यक आईडी भी प्राप्त भी कर ली जाए। ताकि समय पर उन्हें लाईसेंस जारी किए जा सके।

ग्रामीणों को मशरूम उत्पादन से स्वरोजगार के गुर सिखाए

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान श्रीनगर के तत्वावधान में रुद्रप्रयाग जनपद के विकासखण्ड जखोली के पंगरोली कपणियां में वैज्ञानिकों, प्रशिक्षकों, काश्तकारों और ग्रामीण महिलाओं ने मशरूम उत्पादन से आजीविका संवर्धन को लेकर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर काश्तकारों को मशरूम उत्पादन से स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए ग्रामीण काश्तकारों को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डा.एलएस रावत ने संस्थान का परिचय एवं कार्यक्रम का विवरण देते हुए कहा कि ग्रामीणों को मशरूम उगाकर स्वरोजगार प्राप्त करने का एक विकल्प हो सकता है। उन्होंने काश्तकारों को मशरूम उत्पादन से स्वरोजगार के रुप में अपनाने से आजीविका संवर्धन की सम्भावना पर विस्तार से चर्चा की है। संस्थान के वैज्ञानिक डा.वाईएम बहुगुणा व डा.रवीन्द्र वशिष्ठ ने स्थानीय काश्तकारों को मशरूम उत्पादन के गुर सिखाते हुए वर्तमान परिपेक्ष्य में मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार के रुप में अपने का आह्वान किया है। प्रगतिशील काश्तकार हयात सिंह राणा ने कृषकों को कृषि कार्य के साथ साथ मशरूम उत्पादन अपनाने पर जोर दिया है। इस अवसर पर नागेन्द्र इंका बजीरा के छात्र,संतोषी देवी,फूलदेई देवी,रुक्कमणी,बसन्ती देवी शशी देवी,भूपेन्द्र राणा आदि मौजूद थे।

नर्सरी रोड पर अव्यवस्थाओं से लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। श्रीनगर में नर्सरी रोड पर अव्यवस्थाओं से लोग परेशान हैं। रोड के दोनों ओर वाहनों की कतारे लगी होने से लोगों को पैदल चलने के साथ ही रोड पर गंदा पानी पसरा होने से दिक्कतें हो रही हैं। इस मार्ग पर रेलवे के बड़े–बड़े वाहनों का आवागमन होने से जाम जैसी स्थिति पैदा हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नर्सरी रोड पर स्कूली छात्र–छात्राओं सहित पैदल चलने वाले लोगों की आवाजाही बनी रहती है। इसी मार्ग पर नदी किनारे चल रहे रेलवे निर्माण कार्य के कारण रेलवे के बड़े–बड़े वाहनों का आवागमन भी बड़ी संख्या में हो रहा है। रोड के दोनों ओर वाहनों को पार्क करने से यह मार्ग बिल्कुल संकरा हो गया है। जिससे बड़े वाहनों के गुजरने व पैदल राहगीरों को दिक्कतें हो रही हैं। लोगों का कहना है कि मार्ग पर तेज ढलान होने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है।

पेयजल लाइन टेप करने का किया ग्रामीणों ने विरोध

नई टिहरी (आरएनएस)। जल जीवन मिशन के तहत श्रीकोट गांव के पेयजल स्रोत से पेयजल लाइन टेप किये जाने का ग्रामीणों ने विरोध किया है, ग्रामीणों को समझाने में प्रशासन और जल संस्थान के अधिकारी विफल रहे। ग्रामीणों का कहना था, कि यदि उनके स्रोत से पेयजल लाइन टेप की गई तो उनके खेतों को सिंचाई का पानी नहीं मिल पायेगा।

श्रीकोट गांव के ऊपर ढोमनी तोक से जल संस्थान ने जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन जोड़ने का काम शुरू किया, लेकिन गांव की महिलाओं ने स्रोत पर हुए निर्माण कार्य को ही क्षतिग्रस्त कर डाला। जल संस्थान के विभागीय जेई ने मौके पर पहुंचकर क्षति का जायजा लेकर रिपोर्ट ईई को सौंपी। बीते गुरुवार को तहसीलदार महेशा शाह और जल संस्थान के ईई अभिषेक वर्मा ने गांव में पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण महिलाओं ने गांव के पेयजल स्रोत से पेयजल लाइन जोड़ने का प्रबल विरोध करते हुए कहा कि वह किसी भी हालत में गांव के पेयजल स्रोत से पानी की लाइन नहीं जोड़ने देंगे।

श्रीकोट के ग्राम प्रधान विजय प्रकाश पैन्यूली, कमली देवी, सरला देवी, रीना देवी , सूरज लाल आदि ने कहा कि पेयजल योजना के लिए पानी ले जाने से उनके खेतों की सिंचाई नहीं हो पाएगी। कहा विगत एक वर्ष से केमर नहर पर पानी न चलने से ग्रामीण गधेरे के पानी से अपने खेतों की सिंचाई कर रहें हैं। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाकर केमर नहर पर पानी चलाने की मांग की।

उधर जल संस्थान के ई ई अभिषेक वर्मा का कहना है, कि स्रोत से ग्राम पंचायत के ही बेलेश्वर गांव के लिए पानी जोड़ा जा रहा है, लेकिन गांव के कुछ लोग विरोध कर रहे हैं, जिन्हें समझाने का प्रयास विफल रहा। कल पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में जल जीवन मिशन का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। ग्रामीण विरोध करेंगे तो उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

स्किन केयर रुटीन के दौरान इस क्रम में लगाएं प्रोडक्ट्स, मिलेगा पूरा फायदा

एक बेहतरीन स्किन केयर रूटीन के लिए सिर्फ अच्छे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना ही काफी नहीं है। अगर आप स्किन केयर प्रोडक्ट्स को सही समय और सही क्रम में अप्लाई करती हैं, तभी आपको उनका पूरा फायदा मिलता है। हालांकि, समस्या यह है कि कई लोगों को इसके सही क्रम के बारे में पता ही नहीं है। अगर आप भी इन्हीं लोगों में एक हैं तो चलिए आज आपको स्किन केयर प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करने का सही क्रम बताते हैं।

सबसे पहले क्लींजर, फिर टोनर का करें इस्तेमाल

क्लींजर: सबसे पहले अपने चेहरे को साफ करने के लिए किसी ऐसे क्लींजर का इस्तेमाल करें जो आपकी त्वचा के प्रकार के हिसाब से अच्छा हो। उदाहरण के लिए तैलीय त्वचा के लिए एक्सफोलिएटिंग फेसवॉश का इस्तेमाल करें, लेकिन अगर आपकी त्वचा रूखी या संवेदनशील है तो सल्फेट मुक्त माइल्ड क्लींनर का चयन करें। टोनर: क्लींजर के बाद हाइड्रेटिंग टोनर का इस्तेमाल करें। टोनर त्वचा को हाइड्रेट करके अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करने का काम करता है।

फेस सीरम हैं जरूरी और स्पॉट ट्रीटमेंट से हटेंगे दाग-धब्बे

सीरम: टोनर के बाद चेहरे पर सीरम लगाएं क्योंकि इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट प्रोपर्टीज मौजूद होती हैं, जो त्वचा को हर तरह के नुकसान से बचाने में मदद कर सकता है। बेहतर होगा कि आप विटामिन-ष्ट युक्त फेस सीरम का इस्तेमाल करें। स्पॉट ट्रीटमेंट: अगर आपके चेहरे पर किसी तरह के दाग-धब्बे हैं तो आप उन्हें हटाने के लिए सीरम के बाद एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। हालांकि, अगर आपके चेहरे पर कोई दाग-धब्बे हैं तो आप इस स्टेप को छोड़ दें।

आंखों की देखभाल के लिए आई क्रीम लगाएं और चेहरे को मॉइश्चराइज करना न भूलें

आई क्रीम: आंखों के आस-पास की त्वचा काफी पतली और नाजुक होती है, इसलिए यहां जल्द झुर्रियां और फाइन लाइन्स उभरने लगती है। इस परिस्थिति में आंखों की देखभाल के लिए विटामिन- सी युक्त आई क्रीम का इस्तेमाल करें। मॉइश्चराइजर: मॉइश्चराइजिंग त्वचा को पर्याप्त नमी प्रदान करती है। आप चाहें तो त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स की बजाय जैतून का तेल और नारियल का तेल आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं।

रेटिनॉल से मिलेगा स्मूद चेहरा और फेस ऑयल से चेहरे पर आएगी चमक

रेटिनॉल: अगर आप समय से पहले झलकने वाले बढ़ती उम्र के प्रभाव, मुंहासों और दाग-धब्बे आदि से परेशान हैं तो अपने स्किन केयर रूटीन में रेटिनॉल से युक्त क्रीम या सीरम को जरूर शामिल करें। यह आपके चेहरे को एकदम स्मूद और ग्लोइंग बना देगा। फेस ऑयल: फेस ऑयल के इस्तेमाल से चेहरे को भरपूर नमी के साथ ही कई तरह के पोषक तत्व मिल सकते हैं, जिसके कारण चेहरा स्वस्थ और चमकदार नजर आता है।

सनस्क्रीन के बिना अधूरा है स्किन केयर रूटीन

मौसम भले ही कोई भी हो, रोजाना सीमित मात्रा में सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना जरूरी है। बेहतर होगा कि आप अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार ही सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। दरअसल, सनस्क्रीन त्वचा को सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने के साथ-साथ झुर्रियों, पिगमेंटेशन और असमान रंगत को भी दूर करती है। हालांकि, अगर आपको समझ नहीं आ रहा है कि कौन सी सनस्क्रीन लगानी चाहिए तो हाइड्रेटिंग और प्राकृतिक सामग्रियों से युक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

आइए डालते हैं एक नजर हल्दी वाले दूध के उन फायदों पर-

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है हल्दी दूध से आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

बालों को रंग कराने से पहले रखें ये सावधानियां

अगर आप बालों को स्टाइलिश लुक के लिए रंग करने की सोच रही हैं तो आपको कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखना होगा।

अगर आप ये मानती हैं कि एकबार बाल कलर करने के बाद रंग बरकरार रहेगा तो ये आपकी गलती है। कलर करने के कुछ दिनों तक तो आपके बाल बहुत शाइन करेंगे लेकिन हर बार धोने के साथ रंग हल्का होता जाएगा। ऐसे में पहले से ही इस स्थिति के लिए तैयार रहें।

रंग कराने के बाद जब भी बाल ध ाोयें तो ठंडे पानी का ही इस्तेमाल करें। इससे रंग जल्दी फीका नहीं पड़ता।

रंग कराने के बाद जब भी बाल ध ाोएं हल्के रंग की तौलिया और हल्के रंग के टॉप नहीं पहनें क्योंकि इससे तौलिए और टॉप पर रंग के धब्बे पड़ सकते हैं।

रंग कराने के बाद बहुत जल्दी-जल्दी बाल न धोएं। इससे बालों का रंग बहुत जल्दी फीका पड़ जाएगा।

बाल रंग कराने के बाद हो सकता है कि आपको डैंड्रफ की परेशानी हो जाए या फिर आपके बाल बाल दो-मुंहे हो जाएं।

बाल रंग करने से पहले दस्ताने पहनना बिल्कुल न भूलें। वरना आपके हाथों में रंग लग जाएगा और इसे हटाने में आपको बेकार परेशानी झेलनी पड़ेगी।

आपने कच्छ नहीं देखा है, तो कुछ भी अच्छा नहीं देखा : मनीषा यादव

अभिनेत्री मनीषा यादव समीक्षकों द्वारा प्रशंसित तमिल फिल्मों वजक्कू एन 18/9, आधलाल काधल सीवीर और ओरु कुप्पई कढाई में अभिनय के लिए जानी जाती हैं। वह इस समय छुट्टियां मनाने गुजरात के कच्छ क्षेत्र में गई हुई हैं। वह इस क्षेत्र की प्रशंसक हो गई हैं। अभिनेत्री ने कच्छ क्षेत्र के बारे में अपने विचार पोस्ट करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया। अभिनेत्री का कहना है, अगर आपने कच्छ नहीं देखा है, तो समझिए कुछ भी नहीं देखा है! मनोरंजक रूप से अद्भुत। ऐसा लगा, जैसे यह चंद्रमा के सबसे करीब हो। उन्होंने आगे लिखा, इस यात्रा के बारे में एक और अद्भुत बात है, नए लोगों से मिलना। पार्थ प्रतिम चौधरी (एक लाइफ कोच) अपनी फैंसी बाइक पर रण आए थे और अपनी मोटरबाइक पर असम से मलेशिया तक की यात्रा भी की थी! अभिनेत्री अगली बार निर्देशक अधिराजन की आने वाली फिल्म निनैवेल्लम नीयदा में दिखाई देंगी। इस फिल्म में अभिनेता प्राजिन मुख्य भूमिका में हैं। इसमें इलैयाराजा और राजा भट्टाचार्जी ने संगीत दिया है।

शब्द सामर्थ्य -57

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुसबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

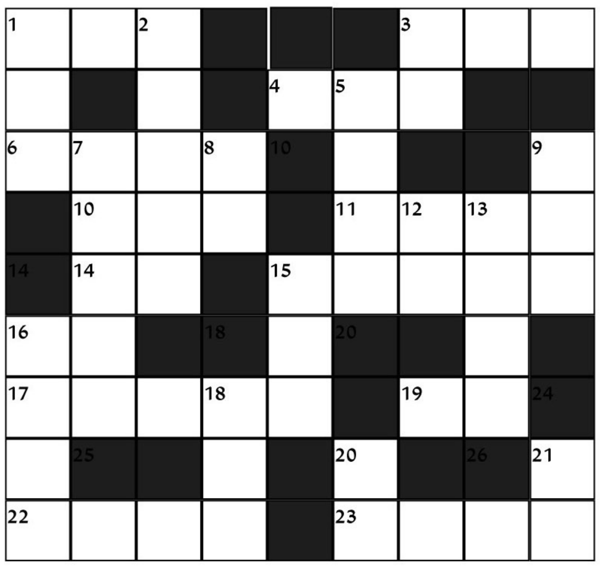

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

संजय दत्त ने किया अपनी नई फिल्म घुड़चढ़ी का ऐलान, रवीना टंडन होंगी साथ

संजय दत्त एक बार फिर अपनी पूरी फॉर्म में दिख रहे हैं। वह एक के बाद एक फिल्म साइन कर रहे हैं। आने वाले दिनों में संजू बाबा एक से बढ़कर एक फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। अब उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम घुड़चढ़ी है। प्रशंसक उनकी इस फिल्म को लेकर उत्साह जाहिर कर रहे हैं और उन्हें इसके लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं।

संजय ने एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, इस नई शुरुआत में एनर्जी लाने के लिए शुक्रिया बालू मुन्नंगी। आपकी मौजूदगी हमेशा सकारात्मकता लाती है। संजय ने जो तस्वीर पोस्ट की है, इसमें वह एक बगीचे में बैठ प्राणायम करते दिख रहे हैं। तस्वीर में जाने-माने ज्योतिषी बालू मुन्नंगी ने क्लैपबोर्ड पकड़ा हुआ है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। इसमें संजय के साथ रवीना टंडन नजर आएंगी, जो पहले भी उनके साथ काम कर चुकी हैं।

यह फिल्म बिनॉय गांधी के निर्देशन में बन रही है और भूषण कुमार इसके निर्माता हैं। खास बात यह है कि इसमें मशहूर अभिनेत्री अरुणा ईरानी, संजय की मां का किरदार निभाने वाली हैं। मां-बेटे की इस जोड़ी को दर्शकों ने खूब प्यार दिया है और अब एक बार फिर दोनों पर्दे पर साथ में वापसी कर रहे हैं। 41 साल बाद संजय इस फिल्म में अरुणा के बेटे का किरदार निभाने वाले हैं। यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म होगी।

संजय ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 1981 में आई फिल्म रॉकी से की थी। इसमें अरुणा ने संजय की मां का किरदार निभाया था। अगली ही फिल्म जॉनी आई लव यू में अरुणा ने संजय को रिझाने वाली एक महिला की भूमिका निभाई थी।

संजय ने हाल ही में प्रोडक्शन हाउस थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स की भी शुरुआत की है। उन्होंने कहा, मैं ऐसी फिल्में बनाऊंगा, जिसमें हीरो अपने अधिकारों के लिए लड़ सकता है। स्वर्ण युग कभी नहीं खत्म हो सकता, लेकिन बॉलीवुड में यह गायब हो गया है। उन्होंने कहा, मैंने फिल्मों में कई वीरपूर्ण भूमिकाएं निभाते हुए अपने करियर की शुरुआत की थी। मैं अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले ऐसे किरदारों को फिर शुरू करने की कोशिश कर रहा हूं।

विक्रांत सिंह और मोनालिसा स्मार्ट जोड़ी का हिस्सा बनने को उत्साहित

लोकप्रिय जोड़ी विक्रांत सिंह और मोनालिसा रियलिटी शो स्मार्ट जोड़ी का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं। मोनालिसा कहती हैं कि हम स्मार्ट जोड़ी में आने के लिए बहुत उत्साहित हैं। इस शो में दिल को छू लेने वाले के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण क्षण भी होंगे। हम वर्षों से अपनी शादी में मजबूती से बंधे हैं और यह हमारे प्यार की ताकत दिखाने का एक शानदार अवसर है। हम एक साथ मस्ती करने और दर्शकों का एक बार फिर मनोरंजन करने के लिए उत्सुक हैं।

विक्रांत और मोनालिसा ने नच बलिए 8 में एक साथ भाग लिया था। दोनों बिग बॉस 10 में राष्ट्रीय टेलीविजन पर शादी के बंधन में बंध गए थे। इस जोड़ी ने कई भोजपुरी फिल्में की हैं और टीवी शो में भी अभिनय किया है।

विक्रांत का कहना है कि हम स्टार प्लस पर भोजपुरी मनोरंजन उद्योग का प्रतिनिधित्व करेंगे। नच बलिए के बाद एक बार फिर एक साथ भाग लेना बहुत अच्छा लग रहा है। हम शो में अपनी हाई वोल्टेज प्रविष्टि के लिए बहुत कठिन अभ्यास कर रहे हैं। मनीष पॉल द्वारा होस्ट किया जा रहा यह शो वास्तविक जीवन के सेलिब्रिटी जोड़ों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए ला रहा है। शो उनकी अनदेखी केमिस्ट्री, कहानियों और रोमांटिक पलों को प्रदर्शित करेगा। स्मार्ट जोड़ी स्टार प्लस पर प्रसारित हो रहा है।

विजय के बीस्ट के अरबी कुथु ने रिकॉर्ड तोड़ा : 12 दिनों में 10 करोड़ मिले व्यूज

निर्देशक नेल्सन की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर फिल्म बीस्ट का पहला गाना अरबी कुथु, (जिसमें अभिनेता विजय मुख्य भूमिका में हैं) ने इंटरनेट पर एक और रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हलामिथी हबीबो के वीडियो सॉन्ग को 10 करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका है।

यूट्यूब पर रिलीज होने के 24 घंटों के भीतर 2.5 करोड़ व्यूज हासिल करने वाला यह वीडियो स्पॉटिफाई डेली टॉप 50 इंडिया चार्ट पर आने वाला पहला तमिल गाना भी बन गया है।

इस गाने का क्रेज यहीं नहीं रुका। इस गाने ने 48 घंटों में 3.5 करोड़ व्यूज बटोरे और 26 लाख से अधिक लोगों ने इसे लाइक किया। इसने चार दिनों में 5 करोड़ व्यूज का आंकड़ा पार किया और एक हफ्ते के समय में 7 करोड़ का आंकड़ा पार कर गया और अब, बेहद लोकप्रिय संख्या ने 12 दिनों में 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है।

अनिरुद्ध द्वारा धुन पर सेट, (जिन्होंने जोनिता गांधी के साथ पेप्पी गाना भी गाया है) इस गाने के बोल अभिनेता शिवकार्तिकेयन के हैं।

एक खुश निर्देशक नेल्सन ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, स्मैशिंग। बीस्ट के हलामिथी हबीबो को 10 करोड़ व्यूज।

महिला पेसर झूलन की बायोपिक के लिए अनुष्का ने शुरू की कड़ी मेहनत

भारतीय महिला पेसर झूलन गोस्वामी की जिंदगी पर आधारित फिल्म के लिए बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा कड़ी मेहनत कर रही हैं। अनुष्का ने सोशल मीडिया पर इसकी झलक दिखाई है, जिसमें वह झूलन की तरह गेंदबाजी करने की कोशिश करती दिख रही हैं। झूलन गोस्वामी पर बनने वाली बायोपिक 'चकदा एक्सप्रेस' के नाम से रिलीज होगी। फिल्म में पश्चिम बंगाल की रहने वालीं दिग्गज पेसर झूलन गोस्वामी के जीवन और क्रिकेट यात्रा के बारे में बताया जाएगा। 'चकदा एक्सप्रेस' नाम की यह फिल्म इसी साल रिलीज होने की उम्मीद है। अनुष्का इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। 'पीके' फेम अनुष्का ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से तस्वीरें पोस्ट की हैं। इसमें उन्होंने अपने फैंस को फिल्म से जुड़ी तैयारियों के बारे में जानकारी दी है।

अनुष्का ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा- 'ग्रिप बाय ग्रिप'।

उन्होंने हैशटैग में 'चकदा एक्सप्रेस' यानी फिल्म का नाम लिखकर झूलन को टैग किया। इस पोस्ट को अभी तक 10 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने लाइक किया है। अनुष्का शर्मा इस पोस्ट में गेंद के साथ-साथ गेंदबाजी एक्शन पर भी पूरी मेहनत करती दिख रही हैं। इंस्टाग्राम पोस्ट पर खुद झूलन गोस्वामी ने भी कमेंट किया है। झूलन ने लिखा बहुत अच्छा। झूलन गोस्वामी की गिनती दुनिया की सबसे बेहतरीन गेंदबाजों में होती है। बंगाल के नादिया में जन्मीं झूलन ने टेस्ट में 44 और वनडे में कुल 245 विकेट झटके हैं। इसके अलावा उन्होंने टेस्ट में 2 और वनडे में 1 अर्धशतक लगाया है।

द वारियर के निर्माताओं ने किया आधी का फर्स्ट लुक जारी

निर्देशक एन. लिंगुसामी की आगामी एक्शन एंटरटेनर फिल्म द वारियर के निर्माताओं ने फिल्म में आधी का फर्स्ट लुक जारी किया। इस फिल्म का प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार है। यह पहली बार है जब राम जाने-माने निर्देशक लिंगुसामी के साथ काम कर रहे हैं और इस फिल्म के साथ राम की कॉलीवुड में शुरुआत होगी।

टीम ने इस बात का भी खुलासा किया कि आदि ने फिल्म में गुरु नाम का एक किरदार निभाया है, जिसे बुराई का मास्टर कहा जाता है।

फिल्म में शानदार स्टार कास्ट है। फिल्म में कृति शेट्टी ने मुख्य भूमिका निभाई है। वह सीटी महालक्ष्मी नामक एक किरदार निभा रहीं हैं। फिल्म में अभिनेत्री अक्षरा गौड़ा भी मुख्य भूमिका में है।

श्रीनिवास चित्तूरी द्वारा निर्मित श्रीनिवास सिल्वर स्क्रीन के बैनर तले बनी द वॉरियर को पवन कुमार प्रस्तुत करेंगे।

शाहरुख का पठान लुक वायरल, फैंस हुए दीवाने

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान लंबे समय से बड़े पर्दे से गायब हैं। एक्टर ने अपने चाहने वालों के लिए एक नया वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में उनका स्वैग और अंदाज आपके होश उड़ा देगा। शाहरुख का यह किलर लुक जबरदस्त लग रहा है। इसपर यूजर्स अलग-अलग तरह के रिएक्शन कर रहे हैं। दरअसल, शाहरुख खान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नए एड का वीडियो पोस्ट किया है। इसमें उन्हें पठान से रग्ड लुक में देखा जा सकता है।

कोट-सूट में वह गुंडों की धुलाई करते हुए दिख रहे है। एड में शाहरुख एक्शन मोड में दिख रहे हैं। शाहरुख खान वीडियो को शेयर कर कैप्शन में लिखते हैं, नाम तो सुना होगा मेरी जान? इसको सॉफ्ट नहीं कहते, कहते हैं तूफान। सॉफ्ट ड्रिंक नहीं, तूफान। इसपर फैंस एक्टर की तारीफ करते थक नहीं रहे। एक मीडिया यूजर ने लिखा, पठान वाइब्स। एक अन्य यूजर ने लिखा, सर अब पठान भी अनाउंस कर दीजिए प्लीज खान साहब। एक और ने लिखा, पठान में इस लुक की कल्पना करें। एक ने लिखा, तूफान आ गया। कुछ समय पहले शाहरुख खान ने अपने एक इजिप्टियन फैन के लिए खास तोहफा भेजा था।

दरअसल, इस इजिप्टियन फैन ने एक भारतीय प्रो अश्विनी देशपांडे की मदद की थी, क्योंकि वह शाहरुख के देश से थी। जिसके बाद किंग खान ने उसके लिए एक ऑटोग्राफ की गई तस्वीर और एक खुद से लिखा हुआ नोट भेजा था। शाहरुख खान की पठान में दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित है। आखिरी बार एक्टर फिल्म 'जीरो' में नजर आए थे और इसमें अनुष्का शर्मा और कैटरीना कैफ थीं। फिल्म 2018 में आई थी।

आदित्य रॉय अभिनीत द नाइट मैनेजर की हिन्दी रीमेक में दिखेंगी शोभिता धुलिपाला

वेब सीरीज द नाइट मैनेजर की हिन्दी रीमेक को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। इस सीरीज में अभिनेता आदित्य रॉय कपूर लीड रोल निभाएंगे। फेमस नॉवेल द नाइट मैनेजर पर बनी इस सीरीज को ब्रिटिश टेलीविजन की टॉप सीरीज में से एक माना जाता है। इसलिए इसकी कास्टिंग भी काफी बारीकी से की जा रही है। अब सुनने में आ रहा है कि इस सीरीज में अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला भी नजर आएंगी।

रिपोर्ट के अनुसार, द नाइट मैनेजर की हिन्दी रीमेक में शोभिता की एंट्री हो गई है। वह सीरीज में फीमेल लीड किरदार निभाएंगी। एक सूत्र ने बताया, मेकर्स ऑरिजनल सीरीज के एलिजाबेथ डेबिकी के कैरेक्टर के लिए अनुभवी कलाकार की तलाश में थे। अब उन्होंने इस भूमिका को निभाने के लिए शोभिता को कास्ट कर लिया है। अभिनेत्री उस वक्त भी टीम से बातचीत कर रही थीं, जब ऋतिक रोशन को अप्रोच किया गया था।

भले ऋतिक सीरीज में नजर नहीं आएंगे, लेकिन शोभिता को एक अच्छा प्रोजेक्ट मिल गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए पहली पसंद ऋतिक ही थे, लेकिन डेट्स के इश्यू के कारण उन्होंने इस सीरीज को साइन नहीं किया। इसके बाद आदित्य सीरीज में शामिल हुए। ऋतिक ही नहीं, इस सीरीज के लिए मनोज बाजपेयी को भी अप्रोच किया गया था। डेट्स की इश्यू को लेकर मनोज ने भी ऑफर रिजेक्ट कर दिया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, आदित्य को ऑरिजनल सीरीज में टॉम हिडलेस्टन द्वारा निभाए गए जोनाथन पाइन के किरदार को अदा करने के लिए चुना गया है। सीरीज में अभिनेता अनिल कपूर भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवा सकते हैं। अनिल ऑरिजनल सीरीज में ह्यूज लॉरी द्वारा निभाए गए किरदार में नजर आएंगे। खबरों की मानें तो सीरीज में छह एपिसोड होंगे। साल के अंत में सीरीज हॉटस्टार पर आ सकती है।

ऑरिजनल सीरीज में हिडलेस्टन, ह्यूज लॉरी, ओलिविया कोलमैन और एलिजाबेथ नजर आए थे। सीरीज का प्रसारण 2016 में किया गया था। सीरीज ब्रिटिश लेखक जॉन ले कारे के उपन्यास पर आधारित है। इसमें जासूसी के कई रहस्यों को फिल्माया गया है। सीरीज के हिन्दी रूपांतरण को संदीप मोदी निर्देशित कर रहे हैं। उन्होंने इससे पहले हिट सीरीज आर्या का सह-निर्माण और सह-निर्देशन किया था। अब देखना है कि सीरीज की हिन्दी रीमेक कितना धमाल मचाती है।

शहीद संदीप उन्नीकृष्णन के जीवन पर आधारित फिल्म मेजर में शोभिता नजर आएंगी। फिल्म 27 मई को सिनेमाघरों में आएगी। वह जल्द ही मणिरत्नम के निर्देशन की पोन्नियन सेल्वन में दिखाई देंगी। वह अमेरिकी फिल्म मंकी मैन में भी दिखेंगी।

करुणा क्यों नहीं जागती युद्ध की विभीषिका से

क्षमा शर्मा

प्लेट में गरमा-गरम भरवां परांठा हो, डोसा हो, पूरी-कचौरी, अचार हो, कॉफी-चाय की चुस्कियां हों, चॉकलेट, हलवा, मिठाई की मिठास हो, परिवार आसपास हो, हंसी-मजाक हो और सामने टीवी के पर्दे पर लाइव दिखता युद्ध हो, तो कहने ही क्या। ऐसे दृश्य रोज तो देखने को मिलते नहीं। दफ्तर से लौटकर थकान मिटाने का यह सबसे मनोरंजक तरीका है। कोई बड़ी से बड़ी मारधाड़ वाली फिल्म इसके सामने फीकी है। युद्ध हमारे मन में कोई दु:ख, परेशानी, सहानुभूति नहीं जागता। रोते-बिलखते लोग हमें सच्चे नहीं लगते। बल्कि लाइव लड़ाई एक एडवेंचर का भाव पैदा करती है। भागते, खून से सने लोग, साइकिल पर जाता बच्चा बम से उड़ता, टूटे, तहस-नहस हुए घर, खाने-पीने की चीजों की भारी कमी, एटीएम खाली, पेट्रोल पंप खाली, पानी, नमक की कमी, स्टेशनों पर गाड़ियां कैंसिल होने के कारण भारी भीड़, एयर लाइंस का टिकटों के दामों को दोगुना करना, भागते लोगों की बदहवासी, बचाने की पुकार, हममें युद्ध के प्रति कोई नाराजगी पैदा नहीं करती, न करुणा जगाती है। हम लगातार हथियारों की आधुनिक तकनीक और मारक क्षमता के सामने नतमस्तक होते रहते हैं। और वाह-वाह करते हैं। यही ताकत की पूजा है। जबकि आम लोग लड़ाई को आमंत्रण नहीं देते हैं, वे अपने-अपने नेताओं की नीतियों के कारण इसे झेलने को अभिशप्त होते हैं।

इन दिनों हम जबरा मारे और रोने भी न दे की कहावत को चरितार्थ होते देख रहे हैं। पुतिन की ताकत से बड़े से बड़े देश घबरा रहे हैं। दुनिया को बात-बात पर आंखें दिखाने वाले देश, इधर-उधर हो रहे हैं। कल तक जिस यूक्रेन की पीठ पर हाथ धर कर उकसा रहे थे, आज कोई ढांढ़स बंधाने वाला तक नहीं दिख रहा है।

देखने वालों की तो एक एडवेंचर और वो मारा, वाह क्या निशाना साधा है, जैसे वाक्यों से आंखें चमक उठती हैं। करुणा क्या हमारी जिंदगियों से इस तरह विदा हो गई है? किसी और के दु:ख से क्या द्रवित होना भूल गए हैं? या पुराने वक्त के वे योद्धा दिलों में जगह बनाए हैं, जो जितने सिर काटकर लाते थे, उतने ही सम्मानित होते थे। दुश्मन कभी मनुष्य क्यों नहीं लगते। उनकी लाशें और कटे सिर वीरता का भाव क्यों जगाते हैं।

याद कीजिए 1991 के इराक-अमेरिका के युद्ध को, जब बहुत से देशों की सेनाओं ने अमेरिका के नेतृत्व में इराक पर हमला बोल दिया था। कहा गया था कि सद्दाम हुसैन के पास खतरनाक जैविक हथियार हैं। वहां कुछ नहीं मिला था, मगर सद्दाम को फांसी दे दी गई थी। पश्चिमी देशों की इस दरोगाई और एक से एक मारक हथियारों के प्रदर्शन का लाइव प्रसारण किया गया था। आसमान में तेज गति से दौड़ती मिसाइलें किसी जादू की तरह लगती थीं जो ठीक निशाने पर वार करती थीं। तब कहा गया था कि अमेरिका और पश्चिमी देशों ने आने वाले सौ साल के हथियारों का परीक्षण कर लिया है। उसके बाद यही भारत में हुआ। कारगिल की लड़ाई का भी प्रसारण किया गया था। दुनिया भर के चैनल्स इसे खूब दिखा रहे थे। हमारे यहां की एक मशहूर पत्रकार ने जब युद्ध स्थल से मोबाइल पर संदेश भेजा तो पाकिस्तान ने उसे इंटरसेप्ट करके मिसाइल दाग दी थी और हमारे कई सैनिक मारे गए थे। एक तरह से लालची मीडिया द्वारा युद्ध हमारे घर-घर में घुसा दिया गया। युद्ध से नफरत करने की जगह हम उसमें आनंद प्राप्त करने लगे।

जिस तरह से हिंसा से भरी फिल्में हमें चकित करती हैं, परेशान नहीं, जबकि हम जानते हैं कि फिल्म में कोई असली लड़ाई नहीं होती है। बीस-बीस को मौत के घाट उतारने वाला हीरो निजी तौर पर शायद एक आदमी से लड़ाई का खतरा मोल नहीं ले सकता। जबकि असली युद्ध में कितने मरते हैं, कितने घायल होते हैं, अर्थव्यवस्था तबाह होती है। नदियां प्रदूषित होती हैं। फसलें चौपट होती हैं। और पशु-पक्षियों की तो गिनती ही कौन करता है। उनकी जान जाए या रहे, हमें क्या फर्क पड़ता है।

लेकिन ताकतवर के खौफ के कारण हम उसे आदर की दृष्टि से देखते हैं। जब से पुतिन ने हमला बोला है, भारत में भी उनके प्रशंसकों की तादाद में भारी इजाफा हुआ है। लोग बाइडेन और पुतिन की तुलना कर रहे हैं। पुतिन को असली शेर और चीता बता रहे हैं। जबकि देखा जाए तो अमेरिका या रूस दुनिया भर में अपने हथियार बेचते हैं। नाम जरूर अहिंसा का लेते होंगे। हथियारों के सौदों के बारे में भी यही कहा जाता है कि वे शक्ति-संतुलन के लिए होते हैं और असली शांति शक्ति-संतुलन से ही होती है। कमजोर को तो सब मार लेते हैं। इस सच को हम अक्सर भूल जाते हैं कि बड़े से बड़े युद्ध के बाद हमें समझौतों की तरफ बढ़ना पड़ता है, क्योंकि युद्ध से उस देश की अर्थव्यवस्था तो तबाह होती ही है जिस पर आक्रमण किया जाता है, हमलावर देश भी नहीं बचता है।

लेकिन लड़ाई में आनंद प्राप्त करने वाले ये सब नहीं सोचते हैं। वैसे भी जब तक खुद की उंगली न कटती हो, हर लड़ाई हमें बहुत आनंद देती है।

इसी आनंद को दुनिया भर के चैनल्स पकड़ते हैं। उन्हें पता है कि यह सबसे ज्यादा बिकने वाली चीज है, कोई मरे-जिये हमारी टीआरपी और मुनाफे में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। इसीलिए आपने देखा होगा कि बहुत से एंकर अपने-अपने माइक हाथ में पकड़े बता रहे हैं कि वे सीधे युद्ध स्थल से ही रिपोर्ट कर रहे हैं, कि वे सबसे पहले वहां पहुंचे हैं, कि उन्होंने ही सबसे अधिक मारक दृश्य दिखाए हैं, कि उनके ही कैमरा एंगल सर्वश्रेष्ठ रहे हैं। कई तो इसे तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत की तरह बेच रहे हैं। कुछ दिन पहले तक जो लोग अफगानिस्तान की लड़ाई और भागती अमेरिकी सेना को अपने-अपने घरों में देखकर तालियां बजा रहे थे, अब यही उक्रेन और रूस की लड़ाई में हो रहा है।

हम भूल गए हैं कि चाहे हम युद्ध में भाग लें या न लें, उसकी तबाही से हमें बच सकते। यह नहीं कह सकते कि वहां होने वाले युद्ध से हमें क्या। बेशक वहां की सेनाएं हमारे यहां न आएं, लेकिन अगर दुनिया की अर्थव्यवस्था चौपट होती है, तो भला हम भी उससे कैसे बच सकते हैं।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मालदीव्स पहुंचकर उर्वशी ने गिराई बिजलियाँ, वीडियो वायरल

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अदाकारा उर्वशी रौतेला ने बीते दिनों ही अपना जन्मदिन मनाया है. आप सभी को बता दें कि इन दिनों वह अपने इस खास दिन को मनाने के लिए मालदीव में वेकेशन एंजॉय कर रही हैं. यहाँ से उनके फोटोज सामने आ रहे हैं जो बेहतरीन है। आप देख सकते हैं मालदीव पहुंचते ही उर्वशी ने सोशल मीडिया पर तहलका मचाना शुरू कर दिया है.

हाल ही में उन्होंने एक बिकिनी वीडियो शेयर किया है. जो उनके फैंस का दिल धड़का रहा है. आप देख सकते हैं इस वीडियो में वह समंदर किनारे टहलती नजर आ रही हैं. जी दरअसल इस वीडियो को जो देख रहा है हैरानी जता रहा है। उर्वशी रौतेला का यह वीडियो लोगों का दिल जीत रहा है। अब अगर काम के बारे में बात करें तो उर्वशी को आखिरी बार मिस यूनिवर्स पेजेंट 2021 को जज करते हुए देखा गया था. वहीं उस समय उन्हें अरब सुपरस्टार मोहम्मद रमजान के साथ उनके सॉन्ग वर्साचे बेबी के लिए भी तारीफें मिलीं.

इसी के साथ जल्द ही उर्वशी जियो स्टूडियोज की वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश में रणदीप हुड्डा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी. इसके अलावा वह थ्रिलर ब्लैक रोज के साथ-साथ थिरुट्टू पायल 2 के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं. आप सभी को बता दें कि उर्वशी सरवना के साथ द लीजेंड के साथ तमिल में शुरुआत करेंगी.

सू- दोकू

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 56 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

मासूम का आत्मघात

यह घटना विचलित करती है कि फरीदाबाद के एक नामी स्कूल में दसवीं के छात्र ने बहुमंजिला इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट में स्कूल के शिक्षक पर आत्महत्या के लिये उकसाने तथा सहपाठियों द्वारा प्रताड़ित किये जाने के आरोप छात्र ने लगाये थे। अभिभावकों द्वारा दर्ज नामजद प्राथमिकी के बाद एक एकेडमिक हेड की गिरफ्तारी हुई है। छात्र का उत्पीड़न करने वाले छात्रों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया किशोर न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप की जा रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि छात्र के परिजनों द्वारा शिकायत करने के बावजूद मामले में कार्रवाई समय रहते नहीं हुई। काश! यदि ऐसा होता तो एक मासूम की जान बचायी जा सकती थी। जैसे पांचों उंगलियां समान नहीं होतीं, उसी तरह हर बच्चा अपने आप में अलग होता है। यदि किसी बच्चे में जैविक रूप से कोई भेद होता है तो स्कूल प्रबंधन के पास उसे संबोधित करने वाली कोई संवेदनशील व्यवस्था होनी चाहिए। छात्र की यौनिकता को लेकर उसके सहपाठी तंज कसते रहे हैं। बताते हैं कि उस छात्र के साथ स्कूल परिसर में कुछ समय पूर्व अप्रिय घटा था। उस बाबत स्कूल प्रबंधन ने कोई कार्रवाई नहीं की, जो अब पुलिस की जांच के दायरे में है। बाल संरक्षण विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में छात्रों से पूछताछ होगी। उन्हें थाने नहीं लाया जायेगा और पुलिस अधिकारी सादी वर्दी में होंगे। पूछताछ में स्कूल अध्यापक व अभिभावक साथ होंगे ताकि बच्चे असहज महसूस न करें। दरअसल, जांच में जिन बच्चों के नाम आये हैं, उनमें कुछ स्कूल छोड़ चुके हैं, कुछ स्कूल में पढ़ रहे हैं। दरअसल, सूचना विस्फोट और इंटरनेट के विस्तार पाते संजाल के बीच किशोरों के आचार-व्यवहार को प्रभावित करने वाली व्यापक सामग्री मौजूद है। लेकिन उन्हें सही-गलत बताने वाला कोई नहीं है। मौजूदा वक्त ऐसे शिक्षकों की कमी महसूस होती है जो छात्रों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दें।

दरअसल, तेजी से बदलते परिदृश्य में छात्रों के व्यवहार का मनोवैज्ञानिक स्तर पर जिस तरह अवलोकन किया जाना चाहिए, वैसा अब नामी पब्लिक स्कूलों में भी नहीं किया जा रहा है। पांच सितारा तमगे लेकर भारी-भरकम फीस वसूलने वाले स्कूलों में ऐसी घटनाएं सामने आना चिंता बढ़ाने वाला है। बड़े स्कूलों में ऊंचे स्टैंडर्ड दिखाने के फेर में इतना बड़ा बाहरी तामझाम जोड़ लिया जाता है कि उसमें बच्चों से जुड़े संवेदनशील मुद्दे गौण हो जाते हैं। पाठ्यक्रमों के अलावा बाजार की जरूरत के हिसाब से स्कूलों को ढालने के लिये तौर-तरीके पूरा करने का दबाव निजी स्कूलों के शिक्षकों पर होता है। इस दबाव के चलते शिक्षक संवेदनशील ढंग से बच्चों की असामान्यता व उनकी सीमाओं पर नजर नहीं रख पाते। वहीं दूसरी ओर, स्कूल की कथित छवि के नाम पर ऐसी वारदातों को दबाने व पर्दा डालने की कोशिश होती है। फरीदाबाद के इस नामी स्कूल में आत्महत्या करने वाले छात्र के साथ भी कुछ वक्त पूर्व जो अप्रिय हुआ, उसे रफा-दफा कर दिया गया। छात्र की यौनिकता को लेकर तंज से छात्र गंभीर मानसिक तनाव में था। विडंबना है कि छात्र विशेष की शारीरिक संरचना व उसके व्यवहार से जुड़े वैज्ञानिक पहलुओं के बारे में भारतीय समाज में गंभीर समझ विकसित नहीं हो पायी है। जब फरीदाबाद के नामी स्कूल में बच्चे के व्यवहार की असामान्यता को नोटिस नहीं किया गया तो देश के गली-मोहल्लों में खुलने वाले स्वनामधन्य पब्लिक स्कूलों में बच्चों के साथ कितना संवेदनशील व्यवहार किया जाता होगा, अनुमान लगाना सहज है। इसके साथ ही बच्चों की सीखने की अलग क्षमताओं व शारीरिक संरचना के विकारों के चलते सबको एक जैसे व्यवहार से नहीं सिखाया जा सकता। इस बाबत अभिभावकों को भी अधिक जागरूक व संवेदनशील बनना होगा। मनोवैज्ञानिक कसौटी पर बच्चे के व्यवहार को देखना होगा। यदि समय रहते शिक्षक व अभिभावक बच्चे के मानसिक द्वंद्व को समझ सकें तो फिर किसी मासूम को बहुमंजिला इमारत से छलांग लगाने को मजबूर नहीं होना पड़ेगा। देश में ऐसे बच्चों की समस्याओं के अध्ययन व निवारण हेतु तंत्र विकसित करने की भी जरूरत है, जिससे बच्चों को भावनात्मक रूप से सशक्त बनाया जा सके। (आरएनएस)

राजपुर रोड व्यापार मंडल व हलवाई समिति ने एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

विशेष संवाददाता

देहरादून। नगर की कानून व्यवस्था, ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार व अवैध धन वसूली पर रोक की मांग हेतु आज देहरादून नगर की हलवाई समिति व राजपुर रोड व्यापार मंडल ने समिति व व्यापार मंडल के संरक्षक लालचंद शर्मा के नेतृत्व में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा गया है।

ज्ञापन के माध्यम से कहा गया है कि होली के त्योहार पर देहरादून की कानून व्यवस्था तथा ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार व नियंत्रण के सम्बंध में उचित कार्यवाही करते हुए नगर की जनता व व्यापारियों की रक्षा करने का आग्रह किया गया है। कहा गया है कि होली के त्यौहार पर कुछ लोग नगर के व्यापारियों से दबंगता पूर्वक अवैध धन वसूली कर व्यापारियों का उत्पीड़न करते है जिससे व्यापारियों के मान सम्मान व धन की हानि होती है। देवभूमि की राजधानी में इन सब विषयो पर गंभीरता से कार्य करते हुए शासन-प्रशासन जनता की रक्षा कर अपना कर्तव्य निभाये। प्रतिनिधि मण्डल में आनंद स्वरूप गुप्ता,अनुपम गुलाटी,अजय कुमार,सूर्यप्रताप राणा,प्रमोद गुप्ता ,उदित पांडे व अरुण कुमार सम्मलित रहे।

स्मार्ट सिटी के नाम पर दुर्घटनाओं को न्यौता!

संवाददाता

देहरादून। स्मार्ट सिटी के नाम पर शहर भर में गड्ढे खोदकर दुर्घटनाओं को खुलेआम न्यौता दिया जा रहा है जिसकी सुध लेने वाला कोई दिखायी नहीं दे रहा है।

दून को स्मार्ट सिटी बनाने की होड में शासन व प्रशासन के अधिकारी लगे हुए हैं। शहर में स्मार्ट सिटी के कामों की देखरेख रखने की जरूरत कोई महसूस नहीं कर रहा है। आलम यह हो गया है कि शहर की सडकें गढडों मे तबदील होती जा रही है। लोगों का चलना मुश्किल हो गया है। जिधर से गुजरों वहीं टूटी सडकों के दीदार हो जाते हैं। जिसका जीता जागता उदाहरण लैसडाउन चौक है। जहां पर स्मार्ट सिटी के नाम पर एक बडा गढडा तो कर दिया गया लेकिन वह गढडा किस काम के लिए किया इसका किसी को शायद ही पता हो। आलम यह हो गया है कि वहां आये दिन दुर्घटनाओं का डर बना रहता है। कई बार तो यातायात पुलिस कर्मी वहां पर एकत्रित होकर यातायात को सुचारू करने में लगे दिखायी देते है। इसके अलावा किसी भी अधिकारी को वह गढडे दिखायी नहीं दे रहे हैं। यह आलम तो तब है जब जिलाधिकारी द्वारा साफ शब्दों में आदेश दिये गये हैं कि शीघ्र स्मार्ट सिटी के काम को अंजाम दिया जाये तथा सडकों की बदहाल स्थिति को सही किया जाये। लेकिन जिलाधिकारी के आदेशों का भी शायद स्मार्ट सिटी के लिए काम कर रही संस्था को कोई फर्क पडता दिखायी नहीं दे रहा है।

अतिक्रमण एवं फॉर्टिस अस्पताल के टेन्डर को ब्लैक लिस्टेड कंपनी द्वारा लिये जाने पर हो जांचः राजकुमार

विशेष संवाददाता

देहरादून। नगर निगम क्षेत्रों में अतिक्रमण एवं फॉर्टिस अस्पताल के टेन्डर को ब्लैक लिस्टेड कंपनी द्वारा लिए जाने के बढ़ रहे खतरे के निदान को लेकर पूर्व विधायक राजकुमार ने मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपा गया है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि समाचार पत्रों के माध्यम से एक ज्ञात हुआ है कि नगर निगम के अंतर्गत आने वाले सभी वार्ड विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि एवं नालों में अतिक्रमण किया जा रहा है जिसमें रायपुर रोड, राजपुर रोड, थानि गांव, जाखन, मालसी डियर पार्क, मैक्स अस्पताल, हर्रावाला, शिमला बायपास व आसपास के कई ग्रामीण क्षेत्रों में अतिक्रमण किए जा रहे हैं और इसके साथ ही कई लोगों पर मुकदमे भी चल रहे हैं । जिसमें लापरवाही बरती जा रही है और इसकी जांच होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फॉर्टिस अस्पताल देहरादून के उच्चस्तरीय अस्पतालों में से एक है,जहां पर उत्तराखण्ड के लोगों के सभी रोगों का सम्पूर्ण रूप से इलाज किया जाता है। फॉर्टिस अस्पताल उत्तर भारत के सर्वोत्तम अस्पतालों की श्रेणी में आता है। कई जटिल ऑपरेशन जो अन्य अस्पतालों में नहीं हो पाते है वो भी फॉर्टिस अस्पताल में किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोनेशन अस्पताल के द्वितीय तल पर जहां फॉर्टिस अस्पताल कार्यरत है के लिए टेंडर निकाला गया है जिसमें सिर्फ दो अस्पतालों ने भाग लिया है। यदि यह टेंडर किसी नई कम्पनी को दिया जाता है तो उत्तराखण्ड राज्य के 130 कर्मचारियों एवं उनके परिवार को राज्य से बाहर पलायन करने पर मजबूर होना पड़ेगा। उन्होने जिस नई कम्पनी को टेंडर मिलने की सम्भावना है वह केरल स्थित एक छोटी कम्पनी है जिसका फॉर्टिस अस्पताल की तुलना में बहुत कम अनुभव है और यह एक ब्लैक लिस्टेड कंपनी है, जिसका उत्तराखण्ड में लम्बे समय तक उच्च स्वास्थ्य सेवा देना सन्देहास्पद प्रतीत होता है। कहा कि नगर निगम के क्षेत्रों में हो रहे अतिक्रमण की उचित कार्यवाही की जाए और फॉर्टिस अस्पताल, जो कि 11 वर्षों से उत्तराखण्ड के निवासियों को निशुल्क उच्च स्तरिय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है , को ही भविष्य में स्वास्थ्य सेवा देने का अवसर प्रदान किया जाए। अन्यथा हमे जनहित में जनता के साथ प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष लाल चंद शर्मा, रचित वाधवा आदि मौजूद थे।

यूक्रेन से लौटी तमन्ना से मिले विस अध्यक्ष

संवाददाता

रूस और यूक्रेन के बीच चल रही लड़ाई के बीच सकुशल ऋषिकेश वापस लौटी मेडिकल की छात्रा तमन्ना त्यागी से उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने मुलाकात कर कुशल क्षेम पूछी। इस दौरान उन्होने तमन्ना त्यागी का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया एवं उनके परिजनों को शुभकामनाएं दी।

यूक्रेन से लौटी मेडिकल की छात्रा तमन्ना त्यागी के ऋषिकेश में गंगा नगर स्थित आवास पर पहुंचकर आज विधानसभा अध्यक्ष ने उनके सकुशल वापस आने पर खुशी जताते हुए बिटिया का हौसला बुलंद किया गया। इस अवसर पर उन्होने तमन्ना त्यागी से यूक्रेन में लड़ाइ के हालातों के बीच उनकी आपबीती सुनी। तमन्ना ने भी विधानसभा अध्यक्ष से यूक्रेन के वर्तमान हालातों को साझा किया। युद्ध के माहौल को देख सहमी तमन्ना के मुताबिक यूक्रेन में हालात बेहद गंभीर है। तमन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार की कोशिश के बाद ही वह अपने वतन वापस लौट पाई है जिसके लिए बिटिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर तमन्ना त्यागी के पिता अतुल त्यागी, माता रीना त्यागी, पार्षद शिव कुमार गौतम, सुमित पवार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

यूक्रेन से लौटी सिद्दि का यूकेडी ने किया स्वागत

संवाददाता

देहरादून। यूक्रेन से लौटी सिद्दी तोपवाल का उत्तराखण्ड क्रांति दल के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनके घर पहुंचकर उनका स्वागत किया।

आज यहां सिद्दि तोपवाल के घर लौटने पर उत्तराखंड क्रांति दल के पदाधि कारी और कार्यकर्ता यूकेडी नेता शिव प्रसाद सेमवाल के नेतृत्व में सिद्दि तोपवाल के घर गए और उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा भविष्य की योजनाओं को लेकर विचार विमर्श किया। सिद्दि तोपवाल एमबीबीएस की पढ़ाई करने के लिए यूक्रेन गई थी और यह उनका प्रथम वर्ष था। युद्ध छिड़ने के बाद उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वापसी के दौरान कहीं 25 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा तो कहीं 10-12 घंटे तक लगातार लाइन में लगे रहना पड़ा। उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय मीडिया प्रभारी शिव प्रसाद सेमवाल ने इस बात पर अफसोस जाहिर किया कि उत्तराखंड में भी एमबीबीएस की पढ़ाई लगभग सवा करोड़ मे होती है जबकि यूक्रेन जैसे देशों में 25 लाख रुपए में एमबीबीएस की पढ़ाई कराई जा रही है। खाने और रहने की व्यवस्था को इसी बजट मे हो जाती है।

पोलैंड तथा अन्य देशों ने यूक्रेन में पढ़ रहे छात्रों से उसी खर्चे पर अपने देश में पढ़ाने की पेशकश की है। लेकिन वह अब भारत में रहकर ही पढने पर विचार कर रही हैं। सिद्धि के पिता पदम सिंह तोपवाल ने बताया कि फिलहाल वे युद्ध समाप्त होने का इंतजार कर रहे हैं और उसके बाद की परिस्थितियों पर विचार करने के बाद ही कोई निर्णय लेंगे। यूकेडी केंद्रीय सचिव केंद्र पाल सिंह तोपवाल ने बताया कि मुलाकात के दौरान यूक्रेन के ताजा हालात और भारत पर पड़ने वाले उसके दूरगामी परिणामों को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान उत्तराखंड क्रांति दल के यूकेडी केंद्रीय सचिव केंद्र पाल सिंह तोपवाल, जिलाध्यक्ष संजय डोभाल,मेहरबान सिंह तोपवाल,युवा मोर्चा की जिलाध्यक्ष सीमा रावत आदि पदाधिकारी शामिल थे।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

170 भारतीयों को लेकर दिल्ली पहुंची एयर एशिया इंडिया की उड़ान

मुंबई। एयर एशिया इंडिया की एक निकासी उड़ान शनिवार तड़के यूक्रेन से सुरक्षित निकाले गए १७० भारतीयों को लेकर रोमानिया के सोकेवा से दिल्ली पहुंची। विमानन कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन गंगा के तहत यह एयर एशिया इंडिया द्वारा संचालित पहली निकासी उड़ान थी। अधिकारी ने बताया कि

एयर एशिया इंडिया का एक विमान रोमानिया के सोकेवा से दुबई होते हुए शनिवार तड़के चार बजे १७० भारतीयों को लेकर दिल्ली हवाईअड्डे पर उतरा। अधिकारी के मुताबिक, विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने हवाईअड्डे पर यात्रियों की अगवानी की। अधिकारी के अनुसार, एयर एशिया इंडिया का एयरबस ए३२० नियो विमान शुक्रवार सुबह ८.३० बजे दिल्ली से दुबई के रास्ते अपनी मंजिल की ओर रवाना हुआ था और स्थानीय समयानुसार शाम ६.४५ बजे इसने रोमानिया के सोकेवा से स्वदेश वापसी की उड़ान भरी। विमानन कंपनी ने कहा कि वह कुछ और निकासी उड़ानों के संचालन पर विचार कर रही है। यूक्रेनी हवाई क्षेत्र २४ फरवरी को रूस का सैन्य अभियान शुरू होने के बाद से ही बंद है।

सहारनपुर से दिल्ली जा रही ट्रेन में लगी भीषण आग, इंजन समेत कई डिब्बे हुए खाक

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ के पास दौराला रेलवे स्टेशन से एक बुरी खबर सामने आई है। यहां सहारनपुर से दिल्ली जा रही एक ट्रेन के इंजन सहित दो डिब्बों में आग लग गई। सामने आईं तस्वीरों में ट्रेन के इंजन और डिब्बे जलकर खाक हो गए हैं। खबर लिखे जाने तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आग लगने के बाद ट्रेन के बाकी हिस्से को लोगों की मदद से अलग किया गया है। सामने आए वीडियो में स्टेशन पर मौजूद यात्रियों द्वारा ट्रेन को धक्का देकर अलग करते देखा जा सकता है। हाल ही में बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर एक खाली ट्रेन में आग लगने की घटना

घटी थी जिसमें ट्रेन के पांच डिब्बें जलकर खाक हो गए थे। यह ट्रेन स्वतंत्र सेनानी एक्सप्रेस थी जो जयनगर से नई दिल्ली जा रही थी। ट्रेन के डिब्बों से ऊंची–ऊंची आग की लपटें उठते देख स्टेशन पर मौजूद लोग घबरा गए थे। वहीं कुछ रोज पहले नई दिल्ली से दरभंगा आ रही १२५६२ स्वतंत्रता सेनानी सुपरफास्ट एक्सप्रेस के पहिए से अचानक धुआं निकलने लगा था और आग लगने की आशंका को देखते हुए यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई और यात्री ट्रेन से उतर कर भागने लगे थे।

सपा में शामिल हुए बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मंयक जोशी

आजमगढ़। यूपी विधानसभा चुनाव के दौरान आजमगढ़ रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि आज बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। इसके साथ कहा कि इनके आने से पार्टी और मजबूत होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में सपा की सरकार बनने से अब कोई नहीं रोक सकता। साथ ही मंच पर मौजूद मयंक जोशी का हाथ पकड़कर कहा कि बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मंयक जोशी भी आज समाजवादी पार्टी

में आ गए हैं। मैं इनका हार्दिक स्वागत और धन्यवाद करता हूं। इसके साथ उन्होंने कहा कि इनके (मयंक) के आने से पार्टी के नेताओं का मनोबल बढ़ेगा। बता दें कि कुछ समय पहले प्रयागराज की बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी ने अखिलेश यादव से मुलाकात की थी, जिसकी तस्वीर खुद सपा प्रमुख ने शेयर की थी। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि मयंक जोशी सपा का दामन थाम सकते हैं। मयंक ने कुछ दिन पहले अखिलेश यादव से मुलाकात की थी।

परिणाम से पहले गोटियां फिट करने में जुटे कांग्रेसी दिग्गज

विशेष संवाददाता

देहरादून। मतगणना की तारीख नजदीक आते देख अब सभी कांग्रेसी दिग्गज अपनी–अपनी गोटियां फिट करने में जुट गए हैं। पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आने की आस लगाए बैठे इन कांग्रेसी नेताओं को पता है कि सीएम कौन होगा इसका फैसला हाईकमान को ही करना है। यही कारण है कि चुनाव परिणाम से पूर्व ही वह अपनी दावेदारी का आधार मजबूत करने के लिए दून से दिल्ली की दौड़ लगा रहे हैं।

❑यशपाल आर्य भी भावी सीएम पद के उम्मीदवार
❑कांग्रेसी नेताओं ने डाल रखा है दिल्ली में डेरा

चुनावी नतीजों को लेकर संभावनाओं पर विचार के साथ दूसरा जो अहम मुद्दा है वह सीएम पद का ही है। भले ही कांग्रेस हाईकमान द्वारा चुनाव पूर्व कोई भी सीएम चेहरा घोषित न किया गया हो लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत समय–समय पर अपने द्वारा दिए गए बयानों के जरिए स्वयं को ही सीएम का चेहरा बताते रहे हैं। हरीश रावत को सरकार बनने की स्थिति में सीएम से कम कुछ भी स्वीकार नहीं है। हरीश रावत की लाख कोशिशों के बाद भी हाईकमान ने उन्हें सीएम का चेहरा घोषित नहीं किया गया। लेकिन चुनाव प्रचार की कमान उनके हाथों में रहने के कारण वह खुद जरूर स्वयं को ही सीएम का चेहरा मानते रहे हैं। उन्होंने जब भी सीएम के मुद्दे पर कुछ कहा है तब तब प्रीतम सिंह ने खुलकर इसका विरोध किया है। वह हमेशा ही विधायकों द्वारा नेता विधायक दल चुने जाने और सोनिया गांधी द्वारा स्वीकृति को ही अंतिम फैसला बताते रहे हैं। भले ही प्रीतम ने कभी खुद को सीएम का चेहरा न बताया हो लेकिन इस दौड़ में वह भी शामिल हैं इसमें कोई संदेह नहीं है।

चुनाव पूर्व भले ही हरीश रावत ने यशपाल आर्य के बारे में यह बयान दिया हो कि अगर कोई दलित चेहरा सामने आता है तो वह उसके लिए अपनी सीएम पद की दावेदारी छोड़ देंगे लेकिन अब यह बात बीते दिनों की बात हो चुकी है। हां यह सच है कि हरीश रावत के इस बयान के बाद यशपाल आर्य की महत्वकांक्षाएं भी हिलोरे मार रही है। उनका जो ताजा बयान आया है उसमें वह साफ–साफ कहते दिख रहे हैं कि दलित समाज को बड़ी अपेक्षाएं हैं कि उन्हें कांग्रेस में सम्मान मिलेगा। पार्टी हाईकमान का क्या निर्णय होता है? समय बताएगा। आर्य का कमजोर पहलू यह है कि वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए, 5 साल भाजपा में मंत्री रहे और फिर दाल नहीं गली तो भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आ गए। फिर भी किस्मत और हाईकमान के भरोसे वह भी सीएम पद के उम्मीदवारों की लाइन में खड़े हैं।

भले ही बहाना मतगणना पूर्व दिल्ली दौड़ के पीछे कांग्रेसी नेताओं द्वारा चुनाव परिणाम की संभावनाओं के साथ भविष्य की रणनीति का किया जा रहा हो लेकिन सच यह है कि कांग्रेसी दिग्गज अपनी–अपनी गोटियां फिट करने के लिए दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। लॉटरी किसकी लगेगी, लगेगी भी या नहीं यह 10 मार्च को आने वाले नतीजे ही तय करेंगे।

कारीगर लाखों का सोना लेकर फरार

संवाददाता

देहरादून। सुनार की दुकान से लाखों का सोना लेकर कारीगर फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छिद्दरवाला निवासी ऋषि सोनी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी श्यामपुर में सुनार की दुकान है। उसने बताया कि उसकी दुकान पर अमित वर्मा नामक युवक कारीगर था तथा वह उसको टांका आदि लगाने के लिए सोने के अभूषण देता था। पिछले कुछ समय से उसने अमित को एक बार 15 ग्राम, 20 ग्राम, 80 ग्राम, 50 ग्राम व 100 ग्राम सोने का सामान दिया था। लेकिन वह वापस दुकान पर नहीं आया। जब वह उसके घर पहुंचा तो वह वहां से फरार हो गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पड़ोसी ने तोड़ा युवती का दांत

संवाददाता

देहरादून। मामूली कहा सुनी में पडोसी ने युवती का दांत तोड दिया। पुलिस ने बाप बेटे सहित तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार एमडीडीए कालोनी इन्द्रापुरम निवासी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पडोस में रहने वाल मनमोहन सिंह से उनकी किसी बात को लेकर विवाद हो गया तो मनमोहन सिंह उसका भाई व उसका बेटा उनके घर के बाहर आकर गंदी–गंदी गालियां देने लगे तो उसकी बेटी ने उनका विरोध किया तो उन्होंने मारपीट कर उसकी बेटी का दांत तोड दिया और जान से मारने की धमकी देकर चले गये।

पुलिस ने सीनियर सिटीजन्स को दिया सुरक्षा का भरोसा

संवाददाता

देहरादून। रायवाला व कैण्ट थाना पुलिस ने क्षेत्र में रह रहे सीनियर सिटीजन्स व बुजुर्गो से मिल उनका हालचाल पूछ उनको सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

आज यहां रायवाला व कैण्ट पुलिस द्वारा रायवाला क्षेत्र अंतर्गत में अकेले निवास कर रहे बुजुर्गा, सिनियर सिटीजन्स की सूची तैयार कर प्रत्येक के पास पुलिस कर्मचारियों द्वारा स्वयं जाकर शिष्टाचार भेंट की, तथा उन सबसे मिलकर उनकी समस्याओ के सम्बन्ध मे जानकारी की गयी तथा उनकी व्यक्तिगत समस्याओं के संबंध में जानकारी ली गयी, तथा वर्तमान में बुजुर्गों के साथ हो रही आपराधिक घटनाओं जैसे घरों में फेरी वाले बनकर प्रवेश पाकर घटना को अंजाम देना, जिसमे कोई सेल्स मैन, प्लम्बर, बिजली वाला, गैस वाला या अन्य कोई बताकर घर में घुस जाते हैं। वहीं पॉलिसीज के नाम पर फोन द्वारा ठगी करना तथा एटीएम मशीन पर रुपये निकलने के लिए मदद के नाम पर एटीएम बदलकर ठगी करना सहित कॉलोनी में या रास्ते पर टहलते समय पहनी ज्वैलरी का अधिक पैसा देने का झांसा देकर नकली कागज की गद्दी देकर ठगी करते हैं तथा जादू टोने के नाम पर शरीर पर धारण की हुई ज्वैलरी को उतरवाकर 10 पैर गिनाकर ज्वैलरी गायब कर फरार हो जाता है कि बारे में भी बताया। इसके साथ ही अन्य प्रकार से विगत वर्षों में बुजुर्गों के साथ हुई ठगी संबंधी अन्य घटनाओं के संबंध में भी उनको विस्तृत रूप से बताकर उक्त प्रकार के किसी भी अपराधी के झांसे में न आने हेतु बताया गया, तथा इस प्रकार से कोई व्यक्ति संदिग्ध लगने पर उसकी सूचना तुरंत कपंस 112, 1930 तथा थाना प्रभारी के नम्बर पर सम्पर्क करें। इस प्रकार पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में निवास कर रहे बुजुर्गो व वरिष्ठ नागरिकों में सुरक्षा की भावना को जाग्रत किया गया, जिसकी उनके द्वारा सराहना की गई है। भविष्य में भी उनसे संपर्क स्थापित कर उनकी समस्याओ को निस्तारित करने का प्रयास किया जाता रहेगा।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।